दिनांक 10 ग्रगस्त, 1984

सं॰ म्रो॰वि॰/म्बाला/115-83/29725.-चूंकि हिरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै॰ मैनेजिंग डायरैक्टर, हिरियाण रेग्नी इंण्डरेट्रीज, कार्पोरैंशन लि., सैक्टर 22-ए, चिंडीगढ़, के श्रमिक श्री जुझार सिंह तथा ' उसके प्रवन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई मौद्योगिक विवाद है :--

ग्रीर चुंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यूंगिनिर्णय हेतु निर्विष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद आंश्रित्यम, 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुये हरियाणा के राज्यपाल इसने द्वारा सरकारी अधिस्वना सं. 3(44) 84-3-अम, दिनांक 19 भप्रैत, 1984 द्वारा उत्तर अधिनियम की धारा 7 के अधीन गठित अम न्यायालय, अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे संबंधित नीचे लिखा मामला न्यायनिर्णय के लिये निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रवन्धकों तथा अमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा संबंधित मामला है :---

क्या श्री जुझार सिंह की सेवाग्रों का समापन न्यायीचित तथा ठीक है ? विदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ? .

सं. प्रो.वि./प्रम्वाला/115-83/2973 ---चूनि हरियाणा के राज्याल की राये है कि मैं. मैनेजिंग डायरेक्टर, हरियाणा एप्रो इन्डस्ट्रीज कारपोरेणन नि. सैक्टेर 22-ए, चर्ग्डोगड़, के श्रीनिक श्रीलक्ष्मों चन्य तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रोद्योगिक विवाद है।

भौर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विशाद को त्यापिनर्णय हेतु निर्दिग्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए, ग्रव, श्रौद्योगिक विवाद श्रधिनियम 1947 की धारा 10 की उप धारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई
गवितयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी ग्रधिसूचना सं 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 19 अप्रैल, 1984
दारा उक्त ग्रधिनियम की धारा 7 के ग्रधीन गठिए श्रम न्यायालय ग्रम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला •
न्यायनिर्णय के लिए मिदिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत

क्या श्री लक्ष्मी चन्द की सेवाग्रों का समापन त्यागीचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो वह किस राहत का हकदार है ?

स. ग्रो.वि./ग्रम्बाला/115-83/29737.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. मैनेजिंग डायरैक्टर, हरियाणा एग्रो इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन लि., सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़, के श्रमिक श्री तेज बहादुर तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामसे में कोई श्रौद्योगिक/विवाद है।

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इस लिए. अब, भौद्योगिक विवाद अधिनियम. 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई गिवितयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिग्यना सं 3(44)84-3-श्रम, दिनांक 19 श्रभैलं, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की घारा 7 के अधीन गठित श्रम त्यायालय अम्बाला को जिवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मन्मला न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मानला है या विवाद से मुसंगत अथवा सम्बन्धिन मामला है।

क्या श्री तेज बहादुर की सेवाग्रा का सभापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं , तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं स्रो वि/ग्रम्त्राला/115-83/29743.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं. मैंनेजिंग डायर क्टर, हरियाणा एग्रो इण्डस्ट्रीज कार्पोरेशन लि., सैक्टर 22-ए, चण्डीगढ़, के श्रमिक श्री किशोरी लाल तथा उसके प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले में कोई श्रीद्योगिक विवाद है।

श्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं।

इस लिए, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम. 1947 की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा सरकारी अधिसूचना मं. 3(44)84-3-अम दिनांक, 19 अप्रैल, 1984 द्वारा उक्त अधिनियम की धारा 7 के अद्योग गठित अम न्यायालय अम्बाला को विवादग्रस्त या उससे सम्बन्धित नीचे लिखा मामला न्याय- निर्णय के लिए निर्दिष्ट करते हैं, जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रीमिक के बीच या तो विवादग्रस्त मामला है या विवाद से सुसंगत अथवा सम्बन्धित मामला है।

क्या श्री किशोरी लाल की सेवाओं का समापन न्थ्रायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं तो यह किस राहत का हनदार है ?

्एसं० के० महेश्वरी, संयुक्त सचिव, हरियाणा सरकार श्रम विकाग ।